17

वनौषधि विपणन सूचना विश्लेषण केन्द्र

राज्य वन अनुसंधान संस्थान,
जबलपुर (म.प्र.)

मध्यप्रदेश लघु वनोपज संघ (व्यापार एवं विकास)
मर्यादित भोपाल (म.प्र.)

प्रस्तावना

मध्यप्रदेश वनाच्छादित राज्य है यहाँ कुल क्षेत्रफल का लगभग 25 प्रतिशत वनक्षेत्र है। यहां लघुवनोपजों एवं वनौषधियों भण्डार है। वर्ष के उन महीनों में जब कृषि व अन्य स्रोतों से रोजगार की संभावनाएं कम होती है तब लघुवनोपज संग्रहण आजीविका अर्जन के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। संग्राहकों को लघुवनोपजों के संग्रहण के पश्चात् विपणन संबंधी अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उन्हें संग्रहित किए गए लघुवनोपज के बाजार मूल्य की सही जानकारी नहीं होती जिससे वे लघुवनोपजों को कम मूल्य पर बेच देते हैं।

लघुवनोपज व वनौषधियों का बाजार प्राचीन व परंपरागत है इसे संरचनात्मक रूप से विकसित करने की आवश्यकता है। विपणन सूचना सेवा व लघुवनोपज विपणन सूचना विश्लेषण केन्द्र की स्थापना एवं विकास संग्राहकों की समस्याओं को समझकर उन्हें हल करने के लिए है।

विपणन सूचना सेवा

संस्थान की सामाजिक आर्थिक एवं विपणन शाखा द्वारा, लघु वनोपज बाजार की जानकारी संग्रहणकर्ताओं एवं किसानों को उपलब्ध कराने के लिए विपणन सूचना प्रणाली वर्ष 2001 में विकसित की गई। विपणन सूचनाओं में वे सभी समंक सम्मिलित है जो विपणन संबंधी निर्णय लेने में प्रयोग किये जाते है। इस प्रणाली में प्रमुख जानकारियों जैसे– मुल्य उत्पाद, मुख्य बाजार दशाएं, मांग एवं पूर्ति, उपभोक्ता

आवश्यकताएं आदि है।

त्रैमासिक बाजार सूचनाओं की संग्रहण हेतु विभिन्न बाजारों में व्यापारियों का नेटवर्क तैयार किया गया है। बाजार की जानकारियों मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ व महाराष्ट्र से ली जाती है। आंकडों के संग्रहण कार्य प्रशिक्षित संग्राहकों द्वारा किया जाता है।

सूचनाओं के संग्रहण का कार्य चार चरणों में किया जाता है। राष्ट्रीय, क्षेत्रीय, जिला व ग्रामीण स्तर पर मूल्य, बाजार में आवक मात्रा, प्रसंस्करण व भण्डारण के आधार पर व वन उत्पादों की मांग व पूर्ति ज्ञात करने हेतु किया जाता है। सूचनाओं के प्रचार–प्रसार हेतु वन–धन व्यापार पत्रिका का प्रकाशन 11 वर्षों से लगातार किया जा रहा है।

विपणन सूचना सेवा के कार्य

1. विभिन्न क्षेत्रों में स्थित व्यापारियों से विपणन सूचना।
2. आंकड़ों का संग्रहण व विश्लेषण करना।
3. सूचनाओं का वन–धन व्यापार पत्रिका में प्रकाशन।
4. विभिन्न उत्पादों की बाजार, ट्रेंड रिर्पोट।
5. वनोत्पाद के मूल्यों की राष्ट्रीय, क्षेत्रीय, जिलास्तरीय व ग्रामीण बाजारों की जानकारी।
6. किसानों व वनोत्पाद संग्राहकों के लघुवनोपज के विपणन एवं अन्य समस्याओं हेतु प्रत्यक्ष, पत्रों के माध्यम से या दूरभाष पर सहयोग।

क्षेत्रीय वनौषधि विपणन सूचना व विश्लेषण केन्द्रों की स्थापना

म.प्र. शासन वन विभाग के आदेश क्र. एफ–25–6/2009/10–3 दिनांक 30–12–2009 द्वारा

अनुमोदित औषधीय एवं सुगंधित पौध विकास हेतु मध्यप्रदेश की रणनीति (2009–10 से 2013–14) के अतर्गत विपणन व्यवस्था के सुदृढीकरण के लिए प्रदेश के पांच स्थानों कटनी, भोपाल, शिवपुरी, इन्दौर, एवं छिन्दवाडा में विपणन सूचना संग्रहण एवं विश्लेषण केन्द्र स्थापित किये गए। इस कार्य के लिए सामाजिक आर्थिक शाखा राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर नोडल है, रणनीति द्वारा संस्थान में स्थित विपणन सूचना सेवा व विश्लेषण केन्द्र को अधिक सुदृढ किया गया है।

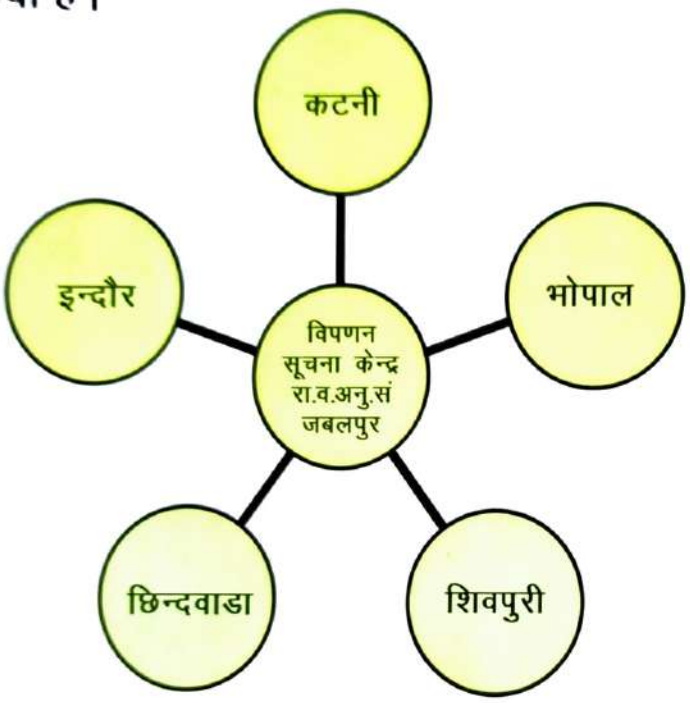

उद्देश्य

प्रसंस्कृत औषधीय उत्पादों व अप्रसंस्कृत जड़ी–बूटियों के लिए बाजार मांग का पता लगाना।

1. लघुवनोपजों के विपणन संबंधी जानकारियों को संग्रहित करना एवं उनका विश्लेषण करना।
2. लघुवनोपजों से संबंधित उत्पादों के बाजार को बढाने हेतु प्रयास करना।
3. मध्यप्रदेश में वनौषधियों व लघुवनोपजों के बाजार की संरचना, बनावट व विकास को समझना।
4. विपणन अनुसंधानों को बढावा देकर लघुवनोपजों की विपणन दक्षता हेतु कार्य करना।

केन्द्रों के कार्य

विपणन सूचना विश्लेषण केन्द्रों का कार्यक्षेत्र में लघुवनोपज व वनौषधियों के व्यापार व बाजारों का संरचनात्मक विकास व जागरूक करने, व बाजार को विकसित करना है। केन्द्र के कार्यों को सुचारू रूप से चलाने के लिए सभी केन्द्रों में एक–एक सेल्स प्रमोशन रिप्रेजेन्टेटिव की पदस्थापना की गई है। विपणन सूचना एकत्रीकरण व प्रसंस्करण केन्द्रों को संग्राहकों व विपणनकर्ताओं के मध्य की कड़ी के रूप में देखा जा सकता है जो संग्राहकों को वन उत्पाद एकत्रीकरण हेतु प्रोत्साहित कर उसे विपणन से अवगत कराती है। केन्द्रों द्वारा सम्पादित अन्य कार्य निम्नलिखित है –

- किसानों को उनके वनौषधीय उत्पादों के प्रति सजग कर विपणन सहायता प्रदान करना।
- लघुवनोपज व्यापारियों एवं संग्रहणकर्ताओं सें संपर्क एवं सामजस्य बनाना।
- लघुवनोपज व्यापार समस्याओं का निराकरण।
- मांग तथा पूर्ति मात्रा को ज्ञात करना।
- व्यापारियों द्वारा बाजार में आने वाले उतार चढाव की विस्तृत जानकारी लेना।

केन्द्र द्वारा प्रतिपादित अनुसंधान कार्य

1. औषधीय पौधों की मांग व पूर्ति का अध्ययन।
2. बाजार परिवर्तन।
3. ट्रेडर्स डायरेक्टरी।
4. वर्तमान में लघुवनोपजों व वनौषधियों के वर्तमान विपणन व बाजार की संरचना।
5. भारतीय औषधिय पद्यति (ISM) आयुर्वेदिक इकाइयों का दौरा कर इनकी लघुवनोपजों व वनौषधियों से संबंधित मांग मात्रा का अध्ययन करना।

राज्य वन अनुसंधान संस्थान

राज्य वन अनुसंधान संस्थान की स्थापना 27 जून 1963 को जबलपुर में हुई। इस संस्थान का मुख्य उद्देश्य वनों के संरक्षण एवं उत्पादकता बढाने हेतु अनुसंधान कार्य करना। संस्थान 1995 में स्वशासी घोषित कर दिया गया। विगत 50 वर्षो से संस्थान में अनेक परियोजनाएं पूर्ण की है।

संस्थान के मुख्य उद्देश्य

1. वन स्रोतों व वनोत्पादों को सतत् उपयोगिता बनाए रखने एवं लघुवनोपजों का प्रयोग बढाने व वृक्ष संख्या में वृद्धि करना।
2. प्राकृतिक वनों व रोपित वनों में उत्पादकता का विस्तार।
3. वन व वन स्रोतों जैसे– पानी, मिट्टी , पानी, जैव विविधता आदि का संरक्षण।
4. वनों पर आश्रित ग्रामीणों की सहभागिता बढाना व सतत् प्रबंधन द्वारा आय व रोजगार में वृद्धि।

संस्थान की अनुसंधान शाखाएं

1. जैवविविधता
2. वन वनस्पति
3. वन पारिस्थितिकी व पर्यावरण
4. वन आनुवांशिकी
5. वन मापिकी एवं सांख्यिकी
6. वनवर्धन
7. बीज शाखा
8. सामाजिक, आर्थिक एवं विपणन शाखा
9. वृक्ष सुधार

संपर्क –

डॉ प्रतिभा भटनागर, समन्वयक

विपणन सूचना केन्द्र

राज्य वन अनुसंधान संस्थान

पोलीपाथर, जबलपुर . 482008

0761–2665540ए 0761– 2666529

फेक्स– 0761– 2661304

Ravi PRINTING PRESS JBP # 9 303 303 909